प्रेषक,

प्रभात कुमार श्रीवास्तव,
संयुक्त सचिव,
उ0 प्र0 शासन ।

सेवा में,

आयुक्त,
ग्राम्य विकास
उ0 प्र0, लखनऊ ।

ग्राम्य विकास अनुभाग-4 **लखनऊ: दिनांक: 15 जून, 2017**

विषय:- लोहिया ग्रामीण आवास योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष-2016-17 की वित्तीय स्वीकृति वित्तीय वर्ष-2017-18 के आय-व्ययक से स्वीकृति जारी किया जाना (अनुदान संख्या-83)।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-365/सम्प्रेक्षा/लो0ग्रा0आ0यो0/2017, दिनांक-13-04-2017 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करें, जिसके द्वारा प्रश्नगत योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष-2016-17 के लक्ष्यों के सापेक्ष जनपदों को अवशेष द्वितीय किश्त की अवमुक्ति हेतु अनुदान सं0-83 में धनराशि रू0-2387.7447 लाख को अवमुक्त किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2- उक्त प्रस्ताव दिनांक 13.04.2017 पर सम्यक विचारोपरान्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि लोहिया ग्रामीण आवास योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए प्राविधानित आय-व्ययक के प्रथम 05 माहों के लिए स्वीकृत लेखानुदान में से अनुदान संख्या-83 में लोहिया ग्रामीण आवास योजनान्तर्गत वर्ष 2016-17 के निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति हेतु वांछित धनराशि **रू0-2387.7447 लाख (रूपये तेईस करोड़ सत्तासी लाख चौहतर हजार चार सौ सत्तर मात्र)** आपके निवर्तन पर रखने की स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय, निम्न प्रतिबन्धों/शर्तो के अधीन सहर्ष प्रदान करते है:-

1- स्वीकृत की जा रही धनराशि को आहरित/व्यय करने से पूर्व आयुक्त्, ग्राम्य विकास, उ0 प्र0 स्वयं अपने स्तर से यह सुनिश्चित कर लेंगे कि योजनान्तर्गत परिव्यय उपलब्ध है, प्रश्नगत योजना की कार्ययोजना पर सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त है तथा विभाग इस धनराशि को आहरित/व्यय करने हेतु अधिकृत हैं।

2- स्वीकृत धनराशि का आहरण आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ0प्र0 द्वारा आवश्यकतानुसार फेजिंग करते हुए किया जाएगा।

3- स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या- 1/2017 /बी-1-02/दस-2017-231/ 2017, दिनांक 02 जनवरी, 2017 में निहित शर्तों, निर्देशों तथा प्रतिबन्धों का अनुपालन भी सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा ।

4- स्वीकृत धनराशि को पी0एल0ए0/बैंक/डाकघर आदि में नहीं रखी जायेगी तथा 03 माह के अन्दर निश्चित रूप से व्यय कर ली जायेगी ।

5- स्वीकृत की जा रही धनराशि से मात्र अनुसूचित जाति के लाभार्थियों को लाभान्वित किया जायेगा, तथा आयुक्त, ग्राम्य विकास, उ0प्र0 यह सुनिश्चित करेगें कि अनुदान संख्या-83 में स्वीकृत की जा रही धनराशि को योजनान्तर्गत बजट प्राविधान की सीमा मे व्यय किया जायेगा।

6- स्वीकृत की जा रही धनराशि में यदि कोई विचलन पाया जाता है, तो उसके लिए आयुक्त, ग्राम्य विकास स्तर पर वित्त नियंत्रक एवं जिला स्तर पर मुख्य विकास अधिकारी सीधे जिम्मेदार होंगे।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

7- उक्त धनराशि का व्यय तभी किया जायेगा जब योजनान्तर्गत ग्रामों के चयनित लाभार्थियों की सूची जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित हो।

8- जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित होने के उपरान्त शासी निकाय के अनुमोदनोपरान्त लाभार्थी के बैंक खाते में धनराशि हस्तानान्तरित की जायेगी।

9- स्वीकृत की जा रही इस धनराशि को किसी अन्य मद में व्यय नहीं किया जायेगा। कोई ऐसा व्यय जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी, के पश्चात् ही किया जायेगा।

10- समस्त व्यय प्रश्नगत योजना हेतु योजना के शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन किया जायेगा तथा आहरित धनराशि का समय से उपयोग सुनिश्चित किया जायेगा ।

11- इस शासनादेश में उल्लिखित शर्तो का कड़ाई से अनुपालन विभाग में तैनात वित्त नियंत्रक/ लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो, के द्वारा किया जायेगा।

2- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष-2017-18 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-83 के अधीन लेखाशीर्षक-"4216-आवास पर पूँजीगत परिव्यय-03-ग्रामीण आवास-789-अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना-05-लोहिया ग्रामीण आवास योजना-24-वृहद निर्माण कार्य" नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या- 1/2017/बी-1-02/दस-2017-231/2017, दिनांक 02 जनवरी, 2017 में प्रतिनिधानित अधिकारों के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

प्रभात कुमार श्रीवास्तव

संयुक्त सचिव ।

संख्या- 15/2017/286(1)/38-4-2017, तद्दिनांक।

उपर्युक्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद ।
2- समस्त मण्डलायुक्त, उ0प्र0 ।
3- समस्त जिलाधिकारी, उ0प्र0।
4- अपर आयुक्त(लेखा), ग्राम्य विकास, उत्तर प्रदेश।
5- समस्त संयुक्त विकास आयुक्त, उ0प्र0।
6- समस्त मुख्य विकास अधिकारी/जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, उ0प्र0।
7- निदेशक, कोषागार, उ0प्र0, लखनऊ ।
8- मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
9- समस्त जनपदों के मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उ0प्र0।
10- वित्त(व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-2/वित्त(आय-व्ययक) अनुभाग-3/वित्त(व्यय-व्ययक) अनुभाग-1
11- राज्य योजना आयोग अनुभाग-2/नियोजन अनुभाग-4
12- बजट प्रकोष्ठ, समाज कल्याण विभाग।
13- ग्राम्य विकास अनुभाग-3 ।
14- वैभागिक आदेश पुस्तिका।

आज्ञा से,

प्रभात कुमार श्रीवास्तव

संयुक्त सचिव ।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।